[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2213 **H**

Unique Paper Code : 62277603

Name of the Paper : Economic Development and Policy in India – II

Name of the Course : **B.A. (Prog) Economics : DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This paper consists of **8** questions. Answer any **5** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. इस पत्र में 8 प्रश्न हैं। किसी भी 5 सवालों के जवाब दें।

3. सभी प्रश्न समान अंक के हैं।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. What is meant by macroeconomic stability? What has been the position of the Indian economy in achieving macroeconomic stability in recent past?

व्यापक आर्थिक स्थिरता से क्या अभिप्राय है? हाल के वर्षों में व्यापक आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति क्या रही है?

2. "Changes in rural areas of the Indian economy in recent past are reducing the role of agriculture and allied sectors as principal sources of income and employment." Analyse and discuss.

"हाल के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण क्षेत्रों में आए परिवर्तन, आय और रोजगार के प्रमुख स्रोतों के रूप में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की भूमिका को कम कर रहे हैं।" विश्लेषण करें और चर्चा करें।

3. Analysing the post-independence trends and regional variations in irrigation in India, explain why is it difficult to be optimistic about the prospect for achieving prudent, efficient and sustainable management of agriculture.

भारत में स्वतंत्रता के बाद की प्रवृत्तियों और सिंचाई में क्षेत्रीय विविधताओं का विश्लेषण करते हुए स्पष्ट करें कि कृषि के विवेकपूर्ण, कुशल और टिकाऊ प्रबंधन को प्राप्त करने की संभावना के बारे में आशावादी होना क्यों मुश्किल है।

4. In India, development of small scale industries is important from economic, social and developmental point of view. Critically discuss this statement in view of the problems faced by this sector and the efforts of the government in this regard.

भारत में लघु उद्योगों का विकास आर्थिक, सामाजिक और विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र की समस्याओं और इस संबंध में सरकार के प्रयासों को ध्यान में रखते हुए इस कथन की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

5. Foreign capital flows have emerged in India after the adoption of economic policy reforms of 1991. Analyse the government of India's policy in this regard and discuss about the trends that have emerged.

1991 के आर्थिक नीति सुधारों को अपनाने के बाद भारत में विदेशी पूंजी प्रवाह का उदय हुआ है। इस संबंध में भारत सरकार की नीति का विश्लेषण करें और विदेशी पूंजी प्रवाह की प्रवृत्तियों के बारे में चर्चा करें।

6. "Embracing *Atmanirbharta* is to choose to condemn the Indian economy to mediocrity." Do you agree with this view? Discuss.

"आत्मनिर्भरता को गले लगाने का अर्थ भारतीय अर्थव्यवस्था को मध्यम स्तर पर रखना है।" क्या आप इस विचार से सहमत हैं? चर्चा करें।

7. "For service sector to be sustainable, the sector needs to be well integrated with other parts of the economy, in particular, the manufacturing sector." Discuss this statement in terms of the trends in India's service sector in recent years.

"सेवा क्षेत्र के सतत होने के लिए, इसे अर्थव्यवस्था के अन्य हिस्सों, विशेष रूप से निर्माण क्षेत्र के साथ, अच्छी तरह से एकीकृत करने की आवश्यकता है।" हाल के वर्षों में भारत के सेवा क्षेत्र में प्रवृत्तियों के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा करें।

8. Write shorts notes on any **two** of the following : (7.5×2)

(a) Special Economic Zones (SEZs)

(b) Monetary policy framework in India in recent years

(c) India's service sector growth trends in recent years

(d) Land reform measures adopted in the Indian economy

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(अ) विशेष आर्थिक जोन (SEZ)

(ब) हाल के वर्षों में भारत में मौद्रिक नीति ढांचा

(स) हाल के वर्षों में भारत के सेवा क्षेत्र के विकास की प्रवृत्तियां

(द) भारतीय अर्थव्यवस्था में अपनाए गए भूमि सुधार उपाय